

विषय— हिन्दी
हाईस्कूल—(कक्षा-10)

कोविड-19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र-2020-21 में विद्यालयों में समय से पठन-पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:-

(ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु-

गद्य हेतु-

क्या लिखें- पदुमलाल पुन्नालाल बरखी
ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से-रामधारी- सिंह दिनकर
पानी में चन्दा और चाँद पर आदमी- जय प्रकाश भारती

काव्य हेतु-

सुमित्रानन्दन पंत- चन्द्रलोक में प्रथमवार
महादेवी वर्मा- वर्षा सुन्दरी के प्रति
माखन लाल चतुर्वेदी- जवानी
केदार नाथ सिंह- नदी
अशोक बाजपेयी- युवा जंगल,

संस्कृत हेतु-

केन किं वर्धते;
अन्योक्तिविलास;

संस्कृत एवं हिन्दी व्याकरण- समास- कर्मधारय, बहुव्रीहि।

सन्धि- वृद्धि
सर्वनाम-तद्, युष्मद्।
धातु रूप- वृश, पच्

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है-

कक्षा-10 विषय-हिन्दी

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

1-(क) हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त परिचय (शुक्ल तथा शुक्लोत्तर युग)	5
(ख) हिन्दी पद्य का विकास का संक्षिप्त परिचय (रीतिकाल तथा आधुनिक काल)	5
2-गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से- सन्दर्भ रेखांकित अंश की व्याख्या तथ्यपरक प्रश्न	2+2+2=6
3-काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु से सन्दर्भ व्याख्या काव्य सौन्दर्य	1+4+1=6
4-संस्कृत गद्यांश अथवा पद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद	1+3=4
5-निर्धारित पाठों के लेखकों एवं कवियों के जीवन परिचय एवं रचनायें	3+3=6
6-(1) संस्कृत के निर्धारित पाठों से कण्ठस्थ एक श्लोक (जो प्रश्नपत्र में न आया हो)	2
(2) संस्कृत के निर्धारित पाठों पर आधारित दो अति लघूत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर	2

- 7-काव्य सौन्दर्य के तत्व- 2+2+2=6
 क-रस-(हास्य एवं करुण रस की परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
 ख-अलंकार-(अर्थालंकार) उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा
 ग-छन्द-सोरठा, रोला (लक्षण, उदाहरण, पहचान)
- 8-हिन्दी व्याकरण-शब्द रचना के तत्व 3+2+2+2+2=11
 (क) उपसर्ग-अ, अन, अधि, अप, अनु, उप, सह, निर्, अभि, परि, सु।
 (ख) प्रत्यय-आई, त्व, ता, पन, वा, हट, वट।
 (ग) समास-द्वन्द्व, द्विगु,
 (घ) तत्सम शब्द।
 (ङ) पर्यायवाची।
- 9-संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद- 2+2+2+2=8
 क-सन्धि-यण, (परिभाषा, उदाहरण, पहचान)
 ख-शब्द रूप (सभी विभक्तियों एवं वचनों में)
 संज्ञा-फल, मति, मधु, नदी।
 ग-धातु रूप (लट्, लोट, लृट, विधिलिङ्ग, लङ् लकारों में)
 पठ, हस्,।
 घ-हिन्दी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।
- 10-निबन्ध रचना-वैज्ञानिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक समस्याओं पर आधारित एवं जनसंख्या, स्वास्थ्य शिक्षा, पर्यावरण एवं यातायात के नियम पर आधारित विषय 6
- 11-खण्ड काव्य-संक्षिप्त कथावस्तु, घटनायें, चरित्र-चित्रण 3
- आन्तरिक मूल्यांकन**-(प्रत्येक दो माह के अन्तिम सप्ताह में) 30 अंक
 प्रथम- 10 अंक-वाचन (भाषण, वाद-विवाद, विचारों की अभिव्यक्ति आदि)
 द्वितीय-10 अंक-व्याकरण सम्बन्धी
 तृतीय- 10 अंक-सृजनात्मक निबन्ध, नाटक, कहानी, कविता, अपठित आदि।
- (ब) निर्धारित पाठ्य वस्तु-
- गद्य हेतु-**
- | | |
|-----------------|-------------------|
| मित्रता | राम चन्द्र शुक्ल |
| ममता | जयशंकर प्रसाद |
| भारतीय संस्कृति | राजेन्द्र प्रसाद |
| अजन्ता | भगवत शरण उपाध्याय |
- काव्य हेतु-**
- | | |
|----------------------|---------------------------|
| सूरदास | पद |
| तुलसीदास | धनुष भंग, वन पथ पर |
| रसखान | सवैये, कवित्त |
| बिहारी लाल | भक्ति नीति |
| रामनरेश त्रिपाठी | स्वदेश प्रेम |
| मैथिलीशरण गुप्त | भारतमाता का मंदिर यह |
| महादेवी वर्मा | हिमालय से |
| सुमित्रानन्दन पंत | चींटी, |
| माखन लाल चतुर्वेदी | पुष्प की अभिलाषा |
| सुभद्रा कुमारी चौहान | झांसी की रानी की समाधि पर |
| अशोक बाजपेयी | भाषा एकमात्र अनन्त है |
| श्याम नारायण पाण्डेय | हल्दीघाटी |
- संस्कृत हेतु-**
 वाराणसी, देशभक्तः चन्द्रशेखरः, छांदोग्योपनिषद् षष्ठोऽध्यायः, भारतीयाः संस्कृतिः, वीरः वीरेण पूज्यते, आरुणि श्वेतकेतु संवादः
 जीवन-सूत्राणि।

खण्ड काव्य- (जिलेवार)

खण्ड काव्य के लिये-

निर्धारित पाठ्य वस्तु-

क्रमांक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	अनुदानित जिले
1	मुक्तिदूत	अशोक कुमार अग्रवाल, 43, चाहचन्द रोड, प्रयागराज	आगरा, बस्ती, गाजीपुर, फतेहपुर, बाराबंकी, उन्नाव।
2	ज्योति जवाहर	मोहन प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर	कानपुर, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, ललितपुर, रामपुर, गोण्डा।
3	अग्रपूजा	हिन्दी भवन, 63 टैगोर नगर, प्रयागराज	प्रयागराज, आजमगढ़, मथुरा।
4	मेवाड़ मुकुट	शंकर प्रकाशन, 8/98 आर्यनगर, कानपुर	बुलन्दशहर, देवरिया, बरेली, सुल्तानपुर, सीतापुर, बहराइच।
5	जय सुभाष	रोहिताश्व प्रकाशन, 368 मालती सदन, ऐशबाग, लखनऊ	लखनऊ, सहारनपुर, फैजाबाद, बांदा, झांसी, हरदोई।
6	मातृ भूमि के लिये	आधुनिक प्रकाशन गृह, दारागंज, प्रयागराज	गोरखपुर, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, मैनपुरी, मुजफ्फरनगर।
7	कर्ण	बुनियादी साहित्य मन्दिर, पटना-4	अलीगढ़, जौनपुर, बलिया, हमीरपुर, एटा।
8	कर्मवीर भरत	हिन्दुस्तान बुक हाउस, अस्पताल रोड, परेड, कानपुर	मेरठ, फर्रुखाबाद, पीलीभीत, रायबरेली।
9	तुमुल	इन्डियन प्रेस पब्लिकेशन प्रा0 लि0, 36, पन्ना लाल रोड, प्रयागराज	वाराणसी, इटावा, बिजनौर, जालौन, बदायूँ।

नोट :-उपर्युक्त के अतिरिक्त अन्य जिलों/नये सृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व वर्षों की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।